नियंत्रित व्यवस्था की जरूरत होती है इसलिए विदेशी परामर्शदाताओं ने जरूरतों और डिजायन को अंतिम रूप देने में काफी समय लगाया।

(घ) निर्माण कार्य के 1994 में पूरा होने की सम्भावना है और इस प्रयोगशाला के 1995 से कार्य करने की सम्भावना है।

National Research Centre for women in Agriculture

543. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Council of Agricultural Re-Researfch decided to set up a National Research Centre for Women in Agriculture at Bhubaneswar; and

(b) if so what are the aims and objectives of the National Reesarch Centre for Women in Agrculture?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) (a) Yes, Sir.

(b) The aim of National Research Centre for Women in Agriculture is to undertake research relevant to he needs of farm women and to identify, test and refine women specific Agricultura technologies for the benefit of farm women in India.

The specific objectives of National Research Centre are:

(1) To create a comprehensive data base on all aspects of women in agriculture maintain and update them.

(2) To study the participation of women in agriculture and allied areas.

(3) to identify relevant available technologies for farm women in all disciplines of agriculture.

(4) To study the impact of modern agricultural technology on farm women.

(5) To generate women specific technology by research networking.

(6) To test and verify women specific technology and provide guidance on the basis of field work for technoolgy refinement.

(7) To offer advance training courses for the research and extension scientists in order to sensitize them for the women's role in agriculture.

(8) To act as a resource centre and clearining house in respect of women specific technologies for State Departments of Agriculture, Animal Hsubandry, Social Welfare, Fisheries, Cooperation, Rural Development etc,, and

(9) To develop international linkages and collaboration in the areas of women in agriculture.

छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सहायता

544. **श्री कैलाश नरायण सारंग :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों/जनजातियों के छोटे और सीमान्त किसानों को कृषि से सम्बन्धित किन-किन महत्वपूर्ण योजनाओं के अधीन वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है और वह किस रूप में ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन योजनाओं के अधीन मध्य प्रदेश को कितनी वित्तीय सहायता दी गई है; और

(ग) क्या किसी राज्य सरकार ने किसी नई योजना का प्रस्ताव किया है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उस पर क्या कार्यवाही की गई है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री (श्री अरविंद नेताम) (क) भारत सरकार की वे महत्वपूर्ण योजनाय जिनकी तहत पिछले तीन वर्ष के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित छोट व सीमान्त कृषकों की सहायता दी गई है, निम्नलिखित हैं :—

(1) समन्वित चावल विकास कार्यक्रम

(2) विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम-गेहूं, मक्का और कदन्न

(3) कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए छोटे व सीमान्त कृषकों को सहायता;

(4) राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम,

(5 तिलहन उत्पादन कार्यक्रम ;

इन कार्यक्रमो के तहत बीजों, पौध रक्षण रसायनों और उपकरणों, उपस्करों आदि के वितरण के लिए वित्तीय सहायता दी गई है। 1991–92 के दौरान संशोधन पूर्व दरों पर उर्वरकों की आपूर्ति के लिए छोटे व सीमान्त कृषकों को भी वित्तीय महायता दी गई थी

उपरोक्त योजनाओं के तहत पिछले तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश को दी गई सहायता का विवरण निम्नलिखित है—

(रुपये लाख में)

	1989–90	1990–91	1991–92
समान्वित चावल विकास कार्यक्रम	600.00	596.07	300.00
विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम–गेहूं	196.93	336.00	116.49
विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम–मक्का व कदन्न–	89.80	157.50	196.00
कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये उथले नलकूपों/खुदे हुये कुओं के लिये छोटे व सीमांत कृषकों को सहायता–	972.69	925.00	675.00
राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम	172.50	119.40	273.52
तिलहन विकास कार्यक्रम	173.35	352.45	520.60
विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम–दालें–	17.75	65.70	79.65
छोटे व सीमांत कृषकों को उर्वरक राजसहायता–	—	—	1447.80

(ग) किसी भी राज्य से नई योजना के लिये विशेष प्रस्ताव नहीं मिला है।

फसलों का संरक्षण

545 **श्री राम नरेश यादव** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) अधिक कृषि उत्पादन हेतु कीड़ो की रोकथाम/फसलों को सुरक्षित करने के लिए चालू वित्तीय वर्ष मे क्या-क्या उपाय किए जाने की संभावना है और